वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 117 | शुक्रवार 25 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गहलोत बोले-मैं खुद वित्त मंत्री, मेडिकल की फाइल नहीं रुकती:कहा...

मिलकर कोरोना से लड़ सकते हैं तो 2025 तक प्रदेश को टीबी मुक्त भी बना सकते हैं

जयपुर. शाबाश इंडिया

सीएम अशोक गहलोत ने कहा है कि जब हम मिलकर कोरोना को हरा सकते हैं तो 2025 तक राजस्थान को टीबी मुक्त बना सकते हैं। राजस्थान को टीबी मुक्त बनाना हमारा टारगेट है। जिस तरह प्रदेश में सभी ने मिलकर कोविड महामारी का सामना किया उसी तरह सभी को साथ लेकर प्रदेश को टीबीमुक्त बनाया जाएगा। मैंने कभी मेडिकल से जुड़ी फाइल नहीं रोकी, वित्त मंत्री मैं खुद हूं, कभी मेडिकल की फाइल नहीं रुकती। इससे आ समझ सकते हैं हमारी प्रायरिटी क्या है। राजस्थान शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मॉडल स्टेट बन गया है। गहलोत ने कहा- निरोगी राजस्थान के विजन को पूरा करने और साल 2030 तक राजस्थान को स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों में नंबर वन राज्य बनाने के लिए प्रदेश सरकार लगातार काम कर रही है। गहलोत सीएम निवास पर टीबी मुक्त राजस्थान सम्मेलन, टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के सैकंड फेज और 104-108 एम्बुलेन्स सेवाओं के लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे।

दुनिया के 26 फीसदी टीबी मरीज भारत में और छह फीसदी राजस्थान में

गहलोत ने कहा- हर गांव में मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध करवाकर अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना हमारा कमिटमेंट है। टीबी एक घातक रोग है। टीबी रोगी का जीवन काफी कष्टदायक होता है। विश्व के 26 प्रतिशत टीबी के मरीज भारत में हैं और इनमें से छह फीसदी राजस्थान में हैं। ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने और पंचायत स्तर तक रोगियों को चिन्हित कर उपचार करने के लिए ह्यटीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियानह्य चलाया जा रहा है।

7000 ग्राम पंचायतों में टीबी मुक्त पंचायत का दूसरा फेज

गहलोत ने कहा- इस साल राज्य की ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने के लिए 7000 ग्राम पंचायतों में ह्यटीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियानह्य का दूसरा फैज शुरू किया है।

442 करोड़ रुपए के 224 कामों का लोकार्पण-शिलान्यास

सीएम अशोक गहलोत ने 442 करोड़ रुपए की लागत के 224 मेडिकल संस्थानों का लोकार्पण, शिलान्यास किया। गहलोत ने 122 करोड़ रुपए की लागत से बने 109 भवनों का लोकार्पण किया। 320 करोड़ रुपए की लागत के 115 मेडिकल संस्थानों का शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 50 नई 108 एम्बुलेंस और 20 नई 104 जननी एक्सप्रेस एम्बुलेंस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने ''म्हारे गांव टीबी न पसारे पांव, टीबी रोग जागरूकता पोस्टर और बुकलेट का विमोचन किया। साल 2022 में टीबी उन्मूलन में बेहतर काम करने के लिनए बारां, भीलवाडा, जालोर और जैसलमेर को सिल्वर मेडल दिया गया है। बांसवाडा, चित्तौडगढ़, राजसमंद और उदयपुर जिले को ब्रॉन्ज मेडल दिया है। सीएम ने आठों जिलों के कलक्टरों को सम्मानित किया। 29 टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के सरपंचों को भी सम्मानित किया गया।''

राजस्थान स्वास्थ्य और शिक्षा में मॉडल स्टेट

गहलोत ने कहा- स्वास्थ्य और शिक्षा राज्य सरकार की मुख्य प्राथमिकताओं में है। उत्कृष्ट स्वास्थ्य और शिक्षा ढ़ांचे से ही अच्छा मानव संसाधन विकसित होता है। कानून बनाकर आमजन को स्वास्थ्य का अधिकार देने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य है। स्वास्थ्य का अधिकार दिया गया है। प्रदेशवासियों को 25 लाख रुपये तक फ्री उपचार और 10 लाख का दुर्घटना बीमा दिया जा रहा है। राजस्थान में आईआईटी, आईआईएम, निफ्ट जैसे विश्व स्तरीय संस्थान खुले हैं। चार साल में 303 नए कॉलेज खोले गए हैं।

अंगदान महाभियान में प्रदेश ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

कार्यक्रम में अंगदान महाभियान के तहत प्रदेश में 1.43 करोड़ से अधिक लोगों के अंगदान की शपथ लेने पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन और ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड की ओर से सर्टिफिकेट दिया गया। इस दौरान सीएम गहलोत ने अंगदान महाभियान के दौरान सर्वाधिक अंगदान की शपथ लेने वाले जिलों के सीएमएचओ को सम्मानित किया।

जन्मदिन 25 अगस्त पर विशेष

भारत माता के महान सपूत वीरचंद राघव जी गांधी

विजय कुमार जैन राघौगढ़ म.प्र.

भारत के स्वाधीनता आन्दोलन एवं देश की आजादी में अगस्त माह का विशेष महत्व है। 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में ₹भारत छोड़ो आन्दोलन₹ का शुभारंभ हुआ। इस अहिंसक आन्दोलन का सुखद परिणाम यह निकला कि हमारा भारत सदियों की गुलामी से मुक्त होकर 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ। यह भी सुखद संयोग है अगस्त माह में ऐसी

विभूति ने जन्म लिया, जिन्होंने ने देश और दुनिया में अपने विलक्षण कार्यों से नाम रोशन किया। भारत के एवं जैन समाज के गौरव पुरुष वीरचंद राघव जी गाँधी का जन्म गुजरात में भावनगर के निकट महुआ में 25 अगस्त 1864 को नगर सेठ राघव जी तेजपाल गाँधी के यहाँ हुआ। वे वचपन से ही वहुत प्रतिभाशाली और तीक्ष्ण बुद्धि बाले थे। हाईस्कूल परीक्षा में उन्होंने ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उन्हें श्री जसबंत सिंह स्मृति छात्रवृत्ति भी मिली थी। आपका विवाह सन 1879 में जीवाबेन से हुआ। विवाह के बाद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी और पारिवारिक व्यवसाय से अलग हटकर लाँ की पढ़ाई की और बैरिस्टर के रूप में प्रतिष्ठित हुए। गुजराती, हिन्दी, अंग्रेजी,प्राकृत, संस्कृत, फ्रेंच आदि 14 भाषाओं का उन्हें ज्ञान था। वीरचंद राघव जी गाँधी, स्वामी विवेकानंद और महात्मा गाँधी के समकालीन एवं अभिन्न मित्रों में थे। आप महात्मा गाँधी द्वारा आयोजित शाकाहारी कार्यक्रमों में उत्साह से भाग लेते थे। वीरचंद राघव जी गाँधी का राजनीति व सामाजिक कार्यों में विशेष योगदान रहा। 1895 में भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के अधिवेशन में उन्होंने ने बम्बई प्रांत का प्रतिनिधित्व किया था। 18 दिसंबर 1898 में विलियम साइंस बिल्डिंग के बड़े हाल में

''भारतीय राजनीति और इण्डस्ट्री'' विषय पर उन्होंने ने अपना व्यक्तव्य दिया था जिसकी सर्वत्र सराहना हुई थी। वीरचंद गाँधी ने 1899 में inter national confrence of commerce में एशिया का प्रतिनिधित्व किया था। सन 1893 में शिकागो में आयोजित पहली धर्म संसद में, जिसमें स्वामी विवेकानंद जी विश्व प्रसिद्ध हो गये थे, उसमें वीरचंद राघव जी गाँधी ने जैन धर्म के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया था जहाँ पर उनके व्यक्तव्य व प्रस्तुति को इतना पसंद किया गया कि बाद में एक के बाद एक उनके अनेक व्यक्तव्य सुने गये। वे दो वर्ष तक अमेरिका में और एक वर्ष इंग्लैंड में रुके। इसके बाद दो बार और विदेश गये। आपने विदेश प्रवास के दौरान अपने व्यक्तव्यों के माध्यम से जैन धर्म का व्यापक प्रचार प्रसार किया। आपने विदेशियों को जैन धर्म की ओर आकर्षित किया। उनके द्वारा दिये गये व्यक्तव्यों के लिये उनको बहुत सारे मेडल, पुरस्कार और सम्मान भी दिये गये। स्वामी विवेकानंद और वीरचंद गाँधी समकालीन थे वे दोनों एक दूसरे का सम्मान करते थे। एक पुरानी कहाबत है पूत के लक्षण पालने में दिख जाते है। इस कहाबत को वीरचंद गाँधी ने चरितार्थ किया।उनकी प्रतिभा का पता तो युवावस्था से ही चलने लगा था। सन 1885 में मात्र 18 वर्ष की आयु में वीरचंद गाँधी ₹ जैन एसोसिएशन आँफ इण्डियाश्के पहले अवैतनिक मंत्री बने। आपने विश्व प्रसिद्ध जैन तीर्थ शत्रुंजय पालीताना पर यात्रियों से बसूला जाने बाला टेक्स हटवाया। जैन तीर्थ सम्मेद शिखर के पास खुलने बाले कत्लखानों को बंद कराया।भारत माता के महान सपूत देश और दुनिया में भारत का नाम ऊंचा करने बाले वीरचंद राघवजी गाँधी युवा अवस्था में ही फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित हो गये। मात्र 37 वर्ष की अल्पायु में 7 अगस्त 1901 को बम्बई के निकट महुआ में उनका असामयिक स्वर्गवास हो गया। अपने 37 वर्ष के जीवनकाल में देश-विदेश की सभी धार्मिक जैन अजैन संस्थाओं में उन्होंने वहुत सम्मान पाया। उनके स्वर्गवास के उपरांत स्वतंत्र भारत में 1964 में उनकी स्मृति में महुआ में एक म्यूजियम की स्थापना की गई।सन 1990 में उनकी एक मूर्ति शिकागो में और दूसरी महुआ में स्थापित की गई। उनके जीवन पर आधारित एक नाटक तैयार किया गया जिसका नाम **"gandhi before gandhi"** रखा। इस नाटक का मंचन दुनिया के विभिन्न देशों में अभी तक 200 बार हो चुका है। 8 नवंबर 2002 को भारतीय डाक सेवा ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया। हम 25 अगस्त जन्मदिन के अवसर पर विलक्षण प्रतिभा के धनी वीरचंद राघव जी गाँधी का स्मरण कर विनम्र श्रद्धांजली अर्पित करते है। इंदौर के दिगंबर जैन मंदिरों में पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याण पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

इंदौर के दिगंबर जैन मंदिरों में पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याण पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। नगर के दिगंबर जैन मंदिरों में जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याण (मोक्ष सप्तमी) के उपलक्ष में विधान पूजन के साथ समारोह पूर्वक निर्वाण लाडू चढाया गया। मुख्य समारोह दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन और पांच लश्करी गोठ मोदी जी की नसिया बड़ा गणपति पर आचार्य विहर्षसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में उमंग और उत्साह से मनाया गया। इसके अंतर्गत

24 तीर्थंकर प्रतिमाओं को दो चांदी की पालकी सहित 24 पालकियों मैं विराजमान कर पालकी यात्रा निकाली गई जो मोदी जी की नसिया से गोरा कुंड शीतला माता बाजार मल्हारगंज होते हुए वापस मोदी जी की नसिया पहुंची। यात्रा में काफी संख्या में महिला पुरुष सम्मिलित हो जयकारा लगाते, झूमते पैदल चल रहे थे। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने श्री जी की आरती उतारी एवं आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। फेडरेशन के प्रचार प्रमुख राजेश जैन दद्दू ने बताया कि शोभा यात्रा में सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटौदी, फेडरेशन अध्यक्ष राकेश विनायका, डॉ जैनेन्द्र जैन प्रिंसिपल टोंगिया, राजेंद्र सोनी, प्रदीप बडजात्या पूर्व पार्षद पवन जैन, पारस पांड्या, योगेंद्र काला, दिलीप पाटनी, नीरज मोदी कमल काला आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। पालकी यात्रा के वापस मोदी जी की नसियां पहुंचने पर वहां निर्मित 25 फीट ऊंचे शिखर जी पहाड़ पर बनी पार्श्वनाथ भगवान की टोंक मैं श्रीजी को विराजमान कर उनके समक्ष 24 निर्वाण लाडू चढ़ाए गए एवं आचार्य श्री के संक्षिप्त आशीर्वचन हुए। धर्म सभा का संचालन ब्रह्मचारी सुनील भैया ने किया।

लाडनूं में मनाया गया मोक्ष सप्तमी पर्व

राज पाटनी. शाबाश इंडिया

लाडनूं। भगवान पार्श्वनाथ मोक्षकल्याण, दिवस मोक्ष सप्तमी पर्व के अवसर पर लाडनूं के विभिन्न जैन मंदिरों में विशेष अभिषेक पूजा अर्चना व शांतिधारा की गई। नगर के विख्यात प्राचीन दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर व प्राकृतिक वातावरण में अवस्थित नंसियाजी में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावकों ने अन्य अनुष्ठानों के साथ भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण का लाडू श्रद्धा और भक्ति पूर्वक चढ़ाया। समाज के अनेक श्रावकों ने इस अवसर पर व्रत व उपवास किए।

चाही हुई वस्तु उपलब्ध हो जाए तो उसका तो हर व्यक्ति स्वागत करता है लेकिन वे आसाधारण लोग होते है जिसे उन्होंने नही चाहा और वह मिल जाये तो उसको भी वेलकम कर लेते है : निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

आगरा. शाबाश इंडिया

दो प्रकार के पुण्य होते है, एक पुण्य वह है जिस पुण्य को सभी चाहते है और मिल जाये तो अपने आप को अहोभाग्य मानते है लेकिन कर्म सिद्धान्त में कर्मो के ऐसे विचित्र पुण्य की चर्चा की गई जिसको कोई चाहता नही है लेकिन मिल जाये तो कोई छोड़ता नही है। हम चाहते है कि हमारे जीवन मे साता का उदय हो, उच्च गोत्र का उदय हो और वो प्राप्त हो जाती है तो एक आनंद की अनुभूति होती है लेकिन एक पुण्य वो भी है जिनको कोई नही चाहता है, मिल जाये तो छोडता नही है। जिस कर्म का नाम है तिर्यंचगति, जिसको कोई नही चाहता तिर्यंच गति यह पाप प्रकृति है लेकिन तिर्यंच आयु पुण्य प्रकृति है। तियंचों में कोई जाना नही चाहता, और कोई चला जाए तो वहाँ से लौटना, मरना भी नही चाहता। इसी तरह ज्ञानी पुरुष भी नही चाहता कि मेरे जीवन मे अशुभ कर्म का उदय आये लेकिन ज्ञानी पुरुष का एक लक्षण होता है, चाहता तो नही है लेकिन आ जाए तो भागता भी नही है। अनचाही वस्तु मिलकर के चाही वस्तु पर व्यक्ति खुश हो जाये, चाही वस्तु को वेलकम करे, चाही हुई वस्तु उपलब्ध हो जाए तो उसका तो हर व्यक्ति स्वागत करता है लेकिन वे आसाधारण लोग होते है जिसे उन्होंने नही चाहा और वह मिल जाये तो उसको भी वेलकम कर लेते है, सोचा नही था कि जिंदगी में मेरे ये कष्ट आएगा। जैसा तुमने नही चाहा वैसे पति-पत्नी भी हो सकते है माँ-बाप भी हो सकते है। जैसा नही चाहा वैसा पड़ोसी मिल गया, मुस्कान सब ने चाही और आँखों मे आँसू मिल गया, ये सारी की सारी चीजें हमारी अनचाही वस्तु। आज सबको ये शिक्षा पार्श्वनाथ भगवान से लेना है। जो हमने जिदंगी में कभी नही चाहा, यदि वो हमारी जिंदगी में आ जायेगा, फिर भी हम आनंद की लहर दौड़ाएंगे। तुम अपने जीवन मे संकट से मुक्ति चाहते हो, तुम अपने जीवन मे प्रतिकूल परिस्थितियों से मुक्ति चाहते हो तो अपना आराध्य उस भगवान को बनाना जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों को वेलकम किया हो, स्वागत किया हो। कभी कोई अशुभ कार्य होने पर सजा मिले तो भाग्यशाली मानना, अच्छा हुआ जैसा किया था वैसा फल मिल गया, अच्छा हुआ तो वो सजा नही कहलाएगी वो प्राश्चितय कहलायेगा, वो तप कहलायेगा। अपराध ज्ञानी और अज्ञानी दोनो व्यक्तियो से होते है, अज्ञानी सजा होने पर दुख मनाता है, सजा से भागता है लेकिन ज्ञानी व्यक्ति सजा से नही भागता है, सजा लेने के लिए स्वयं उपस्थित होता है। बुरे दिनों में तुम रो पड़े तो बुरे दिन और आएंगे। मच्छर के काटने पर तुम रो पड़े तो तैयार रहना अब बिच्छू आने वाला है। संसार मे कोई भी ऐसा व्रत नियम नही है जो इतने जल्दी कर्मो का क्षय कर दे जो यह व्रत है कि जब अशुभ कर्म के उदय आये तो रोना मत जरूर मैंने खोटा कार्य किया है तभी मेरे ये अशुभ कर्म का उदय आया है, आज नही कल किया होगा, इस भव में नही अगले भव में किया होगा लेकिन किया होगा।

संकलन- शुभम जैन 'पृथ्वीपुर'

वेद ज्ञान

योग और शांति

आज समस्त विश्व में अशांति और हाहाकार मचा है। ज्यादातर लोग अस्वाभाविक और कुंठाग्रस्त जीवन जी रहे हैं। मेरा मानना है कि यदि व्यक्ति जीवन में योग को अपना लें और इसे भलीभांति जान ले तो शायद हम सभी समस्त विश्व को एकता के सूत्र में बांध पाने में समर्थ हो सकेंगे। योग एक संयमपूर्वक की जाने वाली साधना है। जो स्वचेतना को परम चेतना से मिलाती है। महर्षि पतंजलि ने कहा है कि चित्त की वृत्तियों को जब हम अंतमुर्खी करते हैं, उतना ही सत्य का प्रकाश हमारे जीवन में बढ़ता है। अज्ञान, अंधकार, असत्य सब ज्ञान, प्रकाश और सत्य में परावर्तित होता है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा प्रयास करते हुए अपने शरीर और मन को साधें। स्वभाव से ही शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए ही हमारे ऋषि-मुनियों ने योग के चार मुख्य मार्गों ध्यान योग, भक्तियोग, कर्मयोग और ज्ञानयोग का उल्लेख किया है। योग में यम-नियम के साथ-साथ मुख्य रूप से आहार की शुद्धि को महत्व दिया गया है। आहार से मन शुद्ध होता है, मन की शुद्धि से स्मृति स्थिर होती है। यदि स्मृति स्थिर हुई तो समझें कि हम मोक्ष की तरफ अग्रसर हैं, लेकिन अफसोस हम अपना सारा जीवन दौड़ने-धूपने में व्यर्थ कर देते हैं। परमात्मा के दिए हुए इस मानव शरीर को हम कौड़ियों के भाव इस्तेमाल करते हैं। इसकी सार्थकता की तरफ हमारा ध्यान शायद ही जाता है। जीवनपर्यंत परिधि का चक्कर लगाते रहते हैं और केंद्र की तरफ आने का प्रयास भी नहीं करते हैं। आत्मस्थ होने के लिए हमें महर्षि पतंजलि के अष्टांग योग का पालन करना होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान को माध्यम बनाकर ही हम समाधिस्थ हो सकते हैं। भोग भोगने से तृप्ति कदापि नहीं होती है, बल्कि कामनाएं बलवती होती जाती हैं। ठीक वैसे ही जैसे घृत डालने से अग्नि तेज होती है। समस्त विषय-वासनाओं का विनाश करने के लिए यौगिक क्रियाओं से बढ़कर कुछ भी श्रेष्ठ नहीं है। मानव जीवन के समग्र विकास के लिए योग संजीवनी है। यदि हम सचेत और सजग नहीं हुए तो विषय-वासनाओं के कीचड़ में फंसकर बार-बार चौरासी लाख योनियों में भटकते रहेंगे।

संपादकीय

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की निगाहें

इस समय अंतरराष्ट्रीय ढांचा व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इस कड़ी में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की निगाहें लगी हुई हैं। भारत भी ब्रिक्स का सदस्य है। शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ एवं जी-20 की अध्यक्षता के दायित्व के साथ वैश्विक मामलों में भारत की महत्ता और बढ़ी है। इसलिए ब्रिक्स बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को भी दुनिया बहुत बारीकी से देखेगी। एक वैश्विक वित्तीय संस्थान की रिपोर्ट में ब्राजील, रूस, भारत और चीन को मिलाकर ह्यब्रिकह्ल की संकल्पना हुई थी। यह संकल्पना देखते ही देखते अंतरराष्ट्रीय सक्रियता के एक प्रमुख मंच के रूप में विकसित हो गई और अब इसके विस्तार की मांग हो रही है। ब्रिक की संकल्पना के पीछे विश्व की 40 प्रतिशत जनसंख्या और एक तिहाई आर्थिकी को निर्धारित करने वाले देशों को समूहबद्ध करना था। इन देशों के नीति-नियंताओं को यह विचार जंचा और 2009 में

ब्राजील, रूस, भारत और चीन के साथ ब्रिक औपचारिक रूप से अस्तित्व में आया। वर्ष 2011 में दक्षिण अफ्रीका के जुड़ाव के साथ ब्रिक अंततः ब्रिक्स हुआ। इस एकजुटता के पीछे यही उद्देश्य था कि वैश्विक आर्थिकी में इन देशों का जो योगदान है उस अनुपात में उनकी आवाज नहीं सुनी जाती तो उस स्वर को मुखर किया जाए। इनका उद्देश्य था कि एक साथ आकर वे पश्चिम के नेतृत्व और वर्चस्व वाली वित्तीय प्रणाली के दबदबे को चुनौती देकर वैश्विक आर्थिक प्रणाली को संतुलन प्रदान करेंगे। ब्रिक्स के अभी तक के सफर को देखें तो अनुभूति होगी कि कुछ दूरी तक सही चलने के बाद उसकी गाड़ी पटरी से उतर गई। इसके सदस्य देशों में अक्सर अंतर्विरोध देखे गए। विशेषकर भारत और चीन के संदर्भ में यह बात सटीक बैठती है। इस कारण भी इस संगठन की उपयोगिता और महत्व पर सवाल उठते रहते हैं। भारत के दृष्टिकोण से ब्रिक्स से उसके जुड़ाव की एक वजह यह भी थी कि वह समान विचार वाले ऐसे देशों के साथ जुड़ना चाहता था, जो चीन के निरंतर बढ़ते दबदबे और दुस्साहस की स्थिति में एक आंतरिक मंच पर उसे जिम्मेदार एवं जवाबदेह बना सकें। भारत को उम्मीद थी कि दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और रूस जैसे सहयोगी चीन पर दबाव डालकर ब्रिक्स को उसके लिए उपयोगी बनाएंगे, लेकिन बदलते समय और परिस्थितियों के दौर में यह उम्मीद धराशायी होती गई। एक वक्त रूस जैसे ताकतवर देश की भारत के प्रति बड़ी स्पष्ट और निकट सहयोग वाली नीति थी, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद समीकरण बदलने शुरू हो गए। अब रूस का झुकाव चीन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में भारत के नजरिये से ब्रिक्स को लेकर नई रणनीति बनाना आवश्यक हो गया है। जिन परिस्थितियों में दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उससे पूरे विश्व की निगाहें इस पर लगना स्वाभाविक हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस कदर अलग-थलग किया जा रहा है, उसके बाद यह पहला आयोजन है, जहां रूस की व्यापक सक्रियता दिखेगी।

परिदृश्य

सीख से हैरानी

उत्तर प्रदेश पुलिस ने कानून-व्यवस्था सुचारु बनाने का एक नायाब तरीका निकाला है। वहां के पुलिस महानिरीक्षक ने अपने सभी मातहत अधिकारियों को एक परिपत्र जारी कर आदेश दिया है कि वे हिंदू पंचांग देख कर चंद्रमा की गति के अनुसार सतर्कता बरतना शुरू कर दें, तो अपराध पर नकेल कसना आसान हो जाएगा। उनका दृढ़ विश्वास है कि अपराधी चंद्रमा की गति के अनुसार सक्रिय होते हैं। यानी जिस दिन अंधेरी रात होती है, उस दिन उनके लिए आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देना आसान होता है। पुलिस अगर उसी समय सक्रिय हो जाए, तो उन पर लगाम कसी जा सकती है। यह शायद दुनिया में पहली बार होगा, जब पुलिस ने अपराध को इस दृष्टि से देखा है। महानिरीक्षक ने बकायदा इसके लिए चार्ट बना कर अधिकारियों को समझाया। फिर उन्हें शायद भरोसा नहीं हुआ कि उनके अधिकारी उनके नुस्खे को अच्छी तरह समझ पाए हैं, इसलिए उन्होंने वीडियो बना कर जारी किया। उन्होंने आम लोगों को भी पंचांग के अनुसार सतर्क रहने को कहा है। पुरानी ग्रामीण मान्यताओं में बेशक यह बात लोगों की धारणा में बद्ध है कि अमावस्या की रात में चोर अधिक सक्रिय होते हैं। मगर आज जिस तरह अपराधों की प्रकृति और अपराधियों की प्रवृत्ति बदली है, उसमें चंद्रमा की कलाओं का उन पर कितना असर पड़ता है, कहना मुश्किल है। चंद्रमा की गतियों के अनुसार अपराध रोकने के लिए सक्रिय होने की बात उस प्रदेश के पुलिस महानिदेशक ने कही है, जहां अपराधी दिन दहाड़े तमंचा लहराते सड़कों पर घूमते और जहां मर्जी सरेआम किसी की हत्या करके निकल भागते हैं। भरी अदालतों में और पुलिस घेरेबंदी के बीच भी हत्या करने में उन्हें कोई हिचक महसूस नहीं होती। पुलिस अधिकारियों तक की हत्या कर देने में उनके हाथ नहीं कांपते। ऐसे में चंद्रमा की गतियों को और पंचांग में मुहूर्त देख कर पुलिस को कार्रवाई करने की सीख से उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की क्या स्थिति होगी, अंदाजा लगाया जा सकता है। योगी आदित्यनाथ का दावा है कि वे प्रदेश को अपराधमुक्त बनाएंगे। पिछले कार्यकाल में इस बात को हर मंच से दोहराते न थकते थे। इसके लिए उन्होंने पुलिस के हाथ भी खोल दिए। इस तरह पिछले पांच-छह सालों में कई नामी-इनामी बदमाश मारे भी जा चुके हैं। अपराध करने वालों के ठिकानों पर बुलडोजर चढ़ा कर उनका मनोबल तोड़ने का प्रयास किया गया है। मगर हैरानी कि मौजूदा महानिदेशक पुलिस को पंचाग देख कर चौकस होने का पाठ पढ़ा रहे हैं। सब जानते हैं कि अपराध की प्रकृति किस तरह बदल गई है और अपराधी आधुनिक तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल कर रणनीति बनाते और अपनी साजिशों को अंजाम देते हैं। ऐसे में पुलिस से अपेक्षा की जाती है कि वह भी आधुनिक तकनीकों से लैस हो और अपराधियों के साजिशों को अंजाम देने से पहले ही सतर्क हो जाए। अपराध पर लगाम लगाने का सबसे प्रभावी तरीका यही होता है कि अपराध करने से पहले ही अपराधियों को गिरफ्त में ले लिया जाए। इस तरह उनके मन में कानून का भय पैदा होता है।

"बैक टू बचपन" महानगर कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप महानगर का ''बैक टू बचपन'' कार्यकम गोकुल गाँव रिसोर्ट, सीकर रोड़ पर आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम की थीम ''बीत गये बचपन'' को याद दिलाना था इसलिए सभी सदस्यों को बचपन की ड्रेस एवं स्टाइल मे आना था। महानगर ग्रुप के सदस्य कार्यक्रम की थीम के अनुसार तैयार हो कर आये थे। सभी सदस्यों का स्वागत लालीपॉप खिलाकर, नेपकीन लगा कर किया गया। कार्यक्रम सयोजको ने बचपन के खेल कन्चे, कबड्डी, खरगोश दौड़, सितोलिया, निम्बू दौड, रस्सी खेचो आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महानगर ग्रुप के वॉइस ऑफ जेएसजी के अंतिम राउंड में स्थान पक्का करने वाले सुधीर सोनी एवं अजय जैन का स्वागत माला पहना कर विजयी होने की शुभकामनायें दी। महानगर ग्रुप के सदस्य आदेश जैन (कुमकुम स्टूडियो) के द्वारा सभी सदस्यो के लिए 360 डिग्री सेल्फी पॉइंट एवं प्रत्येक सदस्य की दम्पति फोटो एवं पारिवारिक फोटो उपलब्ध करवाने पर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के सभी सयोजक पुखराज - गितिका जैन, श्री पवन - मनिषा जैन, सह सयोजक प्रकाश - रश्मि जैन, अनूप - डिंपल, पुष्पेंद्र - यामिनी एवं पंकज-नीता सिंघल ने पूरी मेहनत से कार्यक्रम को थीम बेस सजाकर कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिये। कार्यक्रम के अन्त में सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गए । महानगर ग्रुप अध्यक्ष संजय छाबड़ा एवं सचिव सुनील गंगवाल ने सभी सयोजको, विजेताओं एवं महानगर सदस्यों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष रवि प्रकाश - नमिता जैन, विरेंद्र - नीना जैन, राजीव -अन्जु जैन, दिपेश - अल्का छाबड़ा सहित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य भी उपस्थित रहे।

पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस निर्वाण मोदक लाडू चढ़ाकर मनाया

कोटा. शाबाश इंडिया

श्री १००८ मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर आर के पुरम कोटा पर पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस सैंकड़ों की संख्या में हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण भव्यता के साथ मनाया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर जैन, महामंत्री पवन कुमार जैन पाटोदी, कोषाध्यक्ष ज्ञान चंद जैन ने बताया कि पार्श्वनाथ भगवान का स्वर्ण कलश से प्रथमाभिषेक व 108 रिद्धि मंत्रो से अभिषेक बसंत जैन सपरिवार ने किया। शांतिधारा विनोद अभिषेक जैन टोरडी सपरिवार व हरक चन्द अनुज गोधा सपरिवार ने की। निर्वाण लाडू महेंद्र - अंजना, प्रेम चंद -सुलोचना सोगानी, सुनील जैन सपरिवार ने बड़े भक्ति भाव पूर्वक सैंकड़ों धर्मावलंबियों के साथ चढ़ाया।मंदिर समिति के प्रचार प्रसार मंत्री राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि ने बताया कि इस अवसर पर अध्यक्ष महावीर जैन,महामंत्री पवन कुमार जैन पाटोदी , कोषाध्यक्ष ज्ञान चंद जैन व विनोद जैन टोरडी महामंत्री सकल दिग .जैन समाज कोटा सहित सैंकड़ों महिला पुरुष ,बच्चे उपस्थित रहे व निर्वाण लाडू चढ़ाया।

निवाई में गाजे-बाजे के साथ भगवान पार्श्वनाथ निर्वाण लाडू चढ़ाया

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में शांतिनाथ भवन पर भगवान पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम से पूर्व मण्डल विधान का आयोजन किया गया जिसमें सोधर्म इंद्र हेमचंद जैन ने भक्ति भाव से मण्डल जी पर 130 श्री फल अर्ध्य चढ़ाया। पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री द्वारा मण्डप पर पांच मंगल कलश की स्थापना करवाई। चातुर्मास कमेटी के प्रचार संयोजक विमल जौंला ने बताया कि विधान के तहत गाजेबाजे के साथ बिचला जैन मंदिर में निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सोभाग्य राजकुमार मीनाक्षी जैन संधी को मिला एवं अग्रवाल जैन मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सोभाग्य नेमीचंद संजय कुमार जैन सिरस को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महावीर प्रसाद पराणा, विष्णु बोहरा, प्रेमचंद सोगानी, पदम टोंग्या, त्रिलोक रजवास,महावीर प्रसाद छाबड़ा, विमल सोगानी, अशोक बिलाला, मुकेश बनेठा, शिवराज जैन, नरेश सोगानी, पदम पराणा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। इस दौरान जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित किया। इसी तरह अग्रवाल जैन मंदिर में नसियां जैन मंदिर में बडा.जैन मंदिर सहित निवाई शहर में भगवान पार्रश्वनाथ का निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया।

दया धर्म का मूल है और पाप मूल अभिमान : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चेन्नई। दया धर्म का मूल है और पाप मूल अभिमान बुधवार श्री एस.एस. जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि दया ही धर्म का मूल है,और दया ही सुखों की खान है।दयावान प्राणी कभी किसी का अहित नहीं है और ना ही कभी पाप और अधर्म करता है। वह शुद्ध आत्मा होता है। वह सच्चे अर्थों में धर्मात्मा होता है। जो व्यक्ति दया के भाव विकसित करता है ,वह सम्पूर्ण सुख को प्राप्त करके अपनी इस आत्मा को संसार से मुक्ति दिलवा सकता है। जीवन मे अनुकम्पा और करूणा की भावना नहीं है वो प्रांणी न तो धर्म कर सकता है और नाही वो दया कर सकता है। ऐसा व्यक्ति पत्थर के समान है। दया मे एक सुख नहीं, हजारों सुख छुपे हुए होते है। दया और पुण्य करने वाला व्यक्ति कभी किसी पर एहसान नही जताता है और नाहि कभी रोब दिखाकर अपने एहसानो को गिनवाता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन करतें हुए श्रध्दांलू से कहा कि सच्चे संत की कथनी और करणी एक जैसी होती है। जीवन मे संत्व का आना अति आवश्यक है। द्रव्य साधु पणा जीवन का कल्याण नहीं कर सकता है,जब तक भाव साधू पणा नहीं आवे। हमारा धर्म भावना प्रदान धर्म है। प्रत्येक क्रिया मे भावना का महत्व बताया गया है। श्री संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया महामंत्री सज्जनराज सुराणा ने बताया कि इस दौरान धर्मसभा मे अनेंक बहनों और भाईयों ने उपवास एकासन आयंबिल आदि के प्रत्याख्यान लिए। तपस्वीयों और बाहर से पधारे गणमान्य अतिथीयो का श्री एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अतितराज कोठारी, बादल चन्द कोठारी,सुरेश डूगरवाल, जितेन्द्र भंडारी,अशोक कांकरिया आदि सभी ने तपस्याथीयो और अतिथीयो का सम्मान किया।

पंचदिवस जन्मोत्सव आयोजन के प्रथम दिवस दो सौ श्रध्दांलूओ ने एकासन करके दी महापुरूषों को तप की भेंट

दिखावे मे किया गया दान जीवन मे निरर्थक जाता है : साध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

दिखावा करके दिया गया दान निष्फल हो जाता है। बुधवार अहिंसा भवन में महासती प्रितीसुधा ने पांच दिवसीय श्रमण सूर्य मरूधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा.एवं लोकमान्य संत रूप मुनि महाराज के जन्मजयंती कार्यक्रम के प्रथम दिवस एकासन व्रत करने वाले सैकड़ों भाई -बहनों और श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करतें हुए कहा कि दान देकर मान और सम्मान की इच्छा नहीं रखनी चाहिए। दिखावा करके दान दिया निष्फल हो जाता है। दान छिपाकर दें, छपाकर नहीं देवें। दान देते समय एक हाथ से दूसरे हाथ को भी पता नहीं लगना चाहिए।वही दान सुपात्र दान कहलाता है। लेकिन आज मनुष्य दिखावे मे दान देता है और प्रदशर्न करता है वो दान नहीं कहलाता है। वह व्यक्ति का प्रदशर्न है।संसार मे जितने भी दानवीर शूरवीर और त्यागी महापुरुष हुए, उन्होंने कभी किसी चीज का प्रदर्शन नहीं किया।दान देने से घटता नही है बल्कि बढ़ता है। वही सच्चा दान कहलाता है। साध्वी संयमसुधा ने कहा कि महापुरुषों जितने गुणगान गाये वह कम इनकी महिमा का बखान शब्दों नहीं किया जा सकता है वर्तमान समय के भगवान थे मरूधर केसरी और लोकमान्य संत रूपमुनि जी महाराज। इसदौरान दो सौ से अधिक भाई बहनों ने जन्मोत्सव कार्यक्रम के तहत एकासन व्रत के साध्वी उमराव कंवर से प्रत्याख्यान लिए।एकासन करने वाले तपस्वीयो का अहिंसा भवन शास्त्री नगर के अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल,अशोक पोखरना,हेमन्त आंचलिया,सुशील चपलोत,रिखबचन्द पीपाड़ा,शांतिलाल कांकरिया संदिप छाजेड़,हिम्मतसिंह बाफना,जसवंत डागलिया अमरसिंह संचेती एवं महिला मंडल की नीता बाबेल,मंजू पोखरना,संजूलता बाबेल,मंजू बापना,सुनिता झामड़,अंजना छाजेड़,आशा संचेती अंजना सिसोदिया,सुशीला छाजेड़ आदि सभी ने बहूमान करते हुए उपहार दिये। दित्तीय दिवस गुरूवार को भीक्षु दया के रूप मे मनाया जाएगा।

प्रवक्ता निलिष्का जैन, भीलवाड़ा

त्रिदिवसीय महामहोत्सव हर्षोल्लास के साथ सान्नद सम्पन्न

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ सेवा समिति के तत्वावधान में जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव,आचार्य विवेक सागर महाराज का 31 वा मुनि दीक्षा एवं 28 वां आचार्य पदारोहण दिवस बुधवार को पंचायत छोटा धड़ा नसियां जी पर धूमधाम से मनाया गया। आचार्य महाराज ने कहा आज गुरु के प्रति उपकार व श्रद्धा समर्पण का दिन है,आज के दिन मुझ पर गुरु की कृपा बरसी थी और गुरु ने मुझे अपने जैसा बना लिया था, आप पर भी ऐसी कृपा बरसे, उन्होंने कहा पर से निज में आने का नाम दीक्षा है ,एक अबोध बालक की तरह छल कपट से रहित सरल सहज हो जाना ही दीक्षा है,आचार्य श्री ने अपने दीक्षा गुरु आचार्य सुमति सागर महाराज को नमन करते हुए उनके प्रति अपनी विनयांजलि प्रस्तुत की। इससे पूर्व भगवान पार्श्वनाथ निर्वाणोत्सव के अवसर पर आचार्य महाराज ने कहा मोक्ष की प्राप्ति का एक मात्र उपाय है मोह का परित्याग, जिस प्रकार भगवान पार्श्वनाथ ने अनेक उपसर्गों को सहन करते हुए कठिन तपस्या की एवं मोह का त्याग कर अपने जीवन में समता का निर्माण किया एवं मोक्ष को प्राप्त किया,उसी प्रकार हर श्रावक को भी मोह छोड़ना होगा तभी आत्मा का कल्याण होगा।

मुनि दीक्षा एवं आचार्य पदारोहण दिवस पर गुरु पूजा में अर्घ समर्पित

पदम चन्द सोगानी ने बताया आचार्य विवेक सागर महाराज का 31 वा मुनि दीक्षा व 28 वें आचार्य पदारोहण दिवस को स्थानीय एवं दूरदराज से पधारे सैकड़ों भक्तो ने हर्षोल्लास से मनाया इस अवसर पर 16 महिला समिति, संगठन एवं मन्दिर समितियों ने संगीतमय गुरु पूजा में भक्ति नृत्य करते हुऐ आचार्य महाराज के चरणों में अर्घ समर्पित किये। इससे पूर्व दीप प्रज्वलन,शास्त्र भेंट,पाद प्रक्षालन कैलाश चन्द बाकलीवाल ,माणक चन्द पदम चन्द गंगवाल, सुशील-दीपक बाकलीवाल परिवार ने की। मंगलाचरण में भक्ति नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति नन्ही बालिकाएं कु.श्रेया व आर्या पाटनी ने दी। मंच संचालन नरेन्द्र गोधा, लोकेश ढिलवारी व अंकित पाटनी ने भजन गाये। आचार्य महाराज के दीक्षा एवं आचार्य पदारोहण दिवस पर संध्स्थ मुनि वैराग्य सागर,मुनि अर्चित सागर,ऐलक विप्रमाण सागर, बा.ब्रह्मचारणी बहन ने गुणानुवाद में अपने विचार रखे एवं समाज के गणमान्य ने इन्दर चन्द गोधा, प्रो.सुशील पाटनी, नेमीचंद पाटनी , राजकुमार गोधा, बंटी गदिया, मनीष गदिया,अतुल ढिलवारी, मिश्रीलाल गदिया ने भी आचार्य महाराज के प्रति गुणानुवाद में अपने विचार रखे ।

23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान निर्वाण दिवस पर श्री तीर्थराज सम्मेद शिखर की मनमोहक प्रतिकृति पर निर्वाण मोदक समर्पित

पदम चन्द सोगानी ने बताया 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान के निर्वाण महोत्सव के तहत जिनेन्द्र अभिषेक, शान्तिधारा तत्पश्चात निर्वाण काडं का पाठ कर सम्मेद शिखर की सुन्दर प्रतिकृति पर भगवान पार्श्वनाथ को 5 विशेष निर्वाण मोदक सहित 51 किलो के मोदक मे मुख्य मोदक देवेन्द्र - आशारानी बाकलीवाल, प्रवीण - नीशा जैन,अशोक - चिंतामणि गोधा एवं विशेष मोदक पारसमल बाकलीवाल परिवार सहित सैकड़ों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने निर्वाण मोदक समर्पित किए सभी पुण्यार्जक परिवारजन का समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल,विनय पाटनी, ललित पाण्डया, नितिन दोसी आदि ने अभिनन्दन पत्र देकर स्वागत किया ।

पारसनाथ के निर्वाण महोत्सव पर निर्वाण लाडू चढ़ाये

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में मोक्ष सप्तमी जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर श्री पारसनाथ भगवान के निर्वाण महोत्सव पर सभी 6 जिनालयों में निर्वाण लाडू चढ़ाये गये। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि 23 अगस्त बुधवार को जैन समाज द्वारा भगवान का निर्वाण महोत्सव बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान का अभिषेक ,पूजन, शांति धारा, विधान, किया गया। सभी मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की गई नयापुरा के लाल मंदिर, पंचबाल यति मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर नवीन जिनालय खंडपुरा में सूव्रत सागर महाराज के सानिध्य में दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में बाल ब्रह्मचारी संजय भैया पठारी के सानिध्य में व पं. राजकुमार के निर्देशन में निर्वाण लाडू चढ़ाया गया व सांवलियां पार्श्वनाथ भगवान का प्रथम अभिषेक अंजुल जैन परिवार, जुना मंदिर में कोमल चंद जैन परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर सभी श्रावक श्राविकाओं ने भक्ति पूर्वक भगवान की पूजा अर्चना कि रात्रि में भगवान की मंगलमय महा आरती एवं संगीतमय भक्ति का कार्यक्रम किया गया उसके बाद संजय भैया द्वारा शस्त्र स्वाध्याय की गई बालिकाओं द्वारा निर्जल उपवास भी रखा गया।

आपाके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380
दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विद्या भवन ने प्रारम्भ किया अनूठा कार्यक्रम

गांव कस्बों के वंचित परिवारों की लड़कियां बनेगी सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर, निःशुल्क आवासीय कोडिंग कोर्स में 14 जिलों की सौ लड़कियां पाएंगी प्रशिक्षण

उदयपुर. शाबाश इंडिया

आसपास क्षेत्र की सैकड़ों दसवीं-बारहवीं पास लाडलियां विद्याभवन संस्थान में 'अभिलाषा' कार्यक्रम अभिलाषा कार्यक्रम के तहत बी.टेक (कंप्यूटर विज्ञान) डिग्री के बराबर 15 महीने संचालित कोडिंग कोर्स निशुल्क सीख पाएंगी। विद्याभवन सोसायटी, नव गुरुकुल, बजाज फिनसर्व और कोइटा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संचालित अभिलाषा कार्यक्रम की शुरूआत बुधवार को हुई। इस दौरान अलवर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, ब्यावर, जयपुर, उदयपुर, अजमेर, राजसमंद, जालोर, करौली, बीकानेर, कोटा, टोंक, नागौर जिलों के 86 कस्बों गावों की 100 लड़कियां प्रशिक्षण के प्रयोजन से उपस्थित थीं। बता दें, इनमें अधिकांश बेटियां वंचित पृष्ठभूमि से हैं, जिन तक शैक्षणिक सुविधाओं की पहुँच व अवसर बेहद सीमित है। दूर दराज के गाँवों कस्बों की मुख्यतया सरकारी विद्यालयों से पढ़ी ये बेटियाँ कोडिंग प्रशिक्षण पश्चात सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, एनालिटिक्स जैसी महत्वाकांक्षी नौकरियों तक पहुंच कर प्रति माह 20 से 40 हजार रुपये तक के प्रारंभिक रोजगार की गारंटी पा सकती हैं। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि सांगोद विधायक भरतसिंह कुन्दनपुर, कोइटा फाउंडेशन अध्यक्ष रेखा कोइटा विद्याभवन अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने इस अभिनव प्रयास की मुक्तकंठ प्रशंसा की। इस बारे में नव गुरुकुल की सीईओ निधि अनारकट ने बताया कि कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को 3 बूट कैंप और 19 माइलस्टोंस में विभाजित किया गया है। फाउंडेशनल बूट कैंप में 5 माइलस्टोंस में बेटियां सीखने की आदतें और दृष्टिकोण, संचार कौशल, संक्रियात्मक सोच और बुनियादी गणितीय कौशल में प्रशिक्षित होगी। कोडिंग बूटकैंप में 10 माइलस्टोंस होंगे और इसमें व्यावहारिक अभ्यास और परियोजनाओं के माध्यम से कोडिंग सिखाना शामिल होगा। तीसरे इंटर्नशिप बूटकैंप में जवाबदेही और व्यावसायिकता और जॉब सिमुलेशन शामिल है। कार्यक्रम में पूर्व मेयर रजनी डांगी सहित नगर के कई गणमान्य उपस्थित थे। संचालन डॉ.निष्ठा जैन एवं शिवानी सूजी ने किया।

रिपोर्ट : राकेश शर्मा 'राजदीप'

मेधा योग तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन

राजेश रागी/रत्नेश जैन. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। आर्ट ऑफ लिविंग तथा स्कूली शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय योग की कार्यशाला का समापन सी एम राइस शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बकस्वाहा में संपन्न हुआ। इसमें सी.एम राइज विद्यालय के 100 छात्र छात्राओं ने सहभागिता की। आर्ट ऑफ लिविंग टीचर अनीता अग्रवाल व प्रवीण ने छात्रों को योग तथा सुदर्शन क्रियाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों के साथ तनाव प्रबंधन तथा भय मुक्त शिक्षा के गुण सिखाए। कार्यशाला के समापन पर उच्च माध्यमिक शिक्षक गीता देवी प्रजापति, सचिन कुमार खरे, कृष्ण कुमार दुबे, श्रीमती शिल्पा जैन, आस्था जैन ने कहा कि भय मुक्त वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने में शिक्षा विभाग की यह पहल अच्छे परिणामों को प्रदान करेगी। कार्यशाला में नोडल टीचर कन्हैया लाल प्रजापति व प्राचार्य वीरन प्रसाद अहिरवार का विशेष सहयोग रहा।

अमर शहीद मेजर सुरेन्द्र बडासरा फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

सुधीर शर्मा.शाबाश इंडिया

सीकर। कुदन अमर शहीद मेजर सुरेंद्र सिंह बड़सरा चतुर्थ फुटबॉल चार दिवसीय प्रतियोगिता का बुधवार को समापन हुआ। यह प्रतियोगिता शहीद मेजर सुरेन्द्र बडासरा फुटबॉल क्लब के द्वारा करायी जाती है। कार्यक्रम में सबसे पहले आये हुए अतिथियों द्वारा शहीद मेजर सुरेन्द्र बडासरा की फोटो पर पुष्प अर्पित करके नमन किया गया। अतिथियों का स्वागत गांव वालों की तरफ से माला तथा साफा पहनाकर कर किया। इस प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला थोरासी व यालसर के बीच खेला गया इसमें थोरासी विजेता रही। विजेता को नगद राशि 11000रु व उपविजेता टीम को 7100रू व ट्राफी देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में अतिथि शहीद पिता केशरदेव बडासरा पुर्व प्रशासनिक अधिकारी व समाज सेवी राधे राम गोदारा सीकर उप जिला प्रमुख ताराचंद धायल सरपंच प्रतिनिधि सुलतान सुंडा थानाधिकारी विमला बुडानिया शेखावाटी विश्वविद्यालय छात्र नेता राकेश गढ़वाल, एस एस गुरूप, सुनील गढ़वाल, ताराचंद भुकर, जगदीश दानोदिया, विजय पाल बगड़िया, वेदप्रकाश जिला महासचिव युथ कांग्रेस, निर्मल अशोक रोड लाइन्स व पुर्व पार्षद सुनील शर्मा, विकास पचार व गांव के अनेक गणमान्य नागरिक व खेल प्रेमी भी उपस्थित रहे। कमेंटेटर के के शर्मा रहें, मंच संचालन विकास सुडा ने किया। मैच आयोजक समिति ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भगवान पार्श्वनाथ का 2875 वां निर्वाणोत्सव मनाया

मंदिरों में चढाया निर्वाण लाडू
मंदिरों में सजी सम्मेद शिखर जी की झांकियां

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2875 वां निवाणोत्सव बुधवार, 23 अगस्त को जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्ति भाव से मनाया गया।इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में चन्द्रयान -3 की चांद की धरती पर सफलतापूर्वक लैण्डिंग करने की कामना करते हुए पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के मुताबिक प्रातः मंदिरों में भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों एवं मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक किये गये। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से भगवान पार्श्वनाथ की " पार्श्वनाथ देव सेव आपकी करु सदा, दीजिए निवास मोक्ष भूलिए नहीं कदा..... " के उच्चारण करते हुए सामूहिक पूजा अर्चना की गई।निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक उच्चारण पश्चात हाथों में मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू, अर्घ्य एवं दीपक लेकर जयकारों के बीच " सित सावन साते आई, शिव नारि वरी जिनराई। सम्मेदाचल अरि माना, हम पूजे मोक्ष कल्याना।। " का सामूहिक उच्चारण करते हुए भगवान के समक्ष निर्वाण लाडू चढाया गया। पंच परमेष्ठी एवं भगवान पार्श्वनाथ की आरती के बाद समापन हुआ। जैन के मुताबिक नटाटा आमेर स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अध्यक्ष महेन्द्र साह आबूजीवाले, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा एवं संयुक्त मंत्री अजय साह के नेतृत्व में मूलनायक अतिशय कारी पार्श्वनाथ भगवान के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जाकर जयकारों के बीच निर्वाण लाडू चढाया गया । इस मौके पर नवीन साह, अशोक साह, अजय गोधा, सुनील गोधा, अनिल साह,लोकेश जैन, कपिल बिलाला,माया साह, दीपिका जैन कोटखावदा,आशा साह, स्नेह लता साह,सुधा गोधा,मिनिका बिलाला,अमिता साह, अम्बिका सेठी, राहुल साह,तनिशा बिलाला सहित अन्य श्रद्धालुगण शामिल हुए। पदमपुरा के श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पर सर्वांगभूषण आचार्य चैत्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया । प्रातः भगवान पार्श्वनाथ की पूजा के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा का उच्चारण कर अध्यक्ष सुधीर जैन एवं मंत्री हेमन्त सोगानी के नेतृत्व में 123 किलो का निर्वाण लाडू चढाया गया ।इस मौके पर आचार्य श्री का 41 वां आचार्य दीक्षा दिवस मनाया गया। दिगम्बर जैन संतो के चल रहे चातुर्मास स्थलों पर शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी की झांकी सजाई जाकर भगवान के

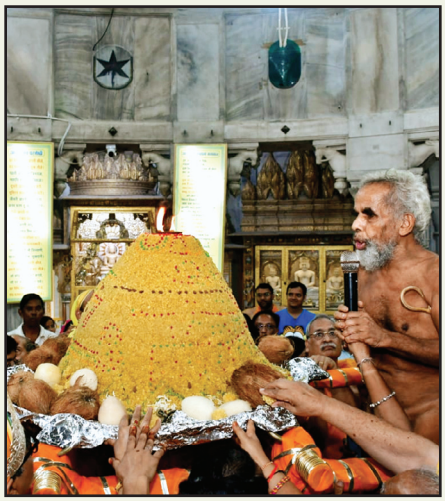

मोक्ष स्थल स्वर्ण भद्र कूट पर निर्वाण लाडू चढाया गया। जैन के मुताबिक श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी मंदिर में संरक्षक प्रवीण चन्द्र छाबड़ा के नेतृत्व में भगवान पार्श्वनाथ का निवार्णात्सव मनाया जाकर मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ के समक्ष निर्वाण लाडू चढाया गया ।सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर , मधुवन के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,जग्गा की बावड़ी के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहित कई मंदिरों में भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया।

विनोद जैन 'कोटखावदा'
प्रदेश महामंत्री

जैन वीर संगठन देवीपुरा सीकर के चुनाव संपन्न

सुनील छाबड़ा अध्यक्ष, नवीन कासलीवाल मंत्री बने

अध्यक्ष: सुनील छाबड़ा सेसम वाला

मंत्री: नवीन कासलीवाल कोलीडा वाले

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन वीर संगठन देवीपुरा की साधारण सभा की मीटिंग श्री चंद्रप्रभु भवन में रखी गयी जिसमें सर्वसम्मति से नई कमेटी का गठन किया गया ।कमेटी इस प्रकार है- अध्यक्ष-सुनील छाबड़ा सेसम, उपाध्यक्ष- वीरेन्द्र सेठी, मंत्री- नवीन कासलीवाल, उप मंत्री- प्रदीप पाटनी, कोषाध्यक्ष- सुनील छाबड़ा दुदवा, सां. मंत्री- अमित (बबल) छाबड़ा दूधवा कार्यकारिणी सदस्य- अनिल जैन RGB, आशीष (मोनू) जयपुरिया, विनय कालिका, वैभव पाटोदी, कार्तिक पहाड़िया,सूरज काला। सलाहकार समिति- प्रदीप पहाड़िया जिजोठ, जे पी लालास, नीलेश छाबड़ा दूधवा,संजय छाबड़ा दूधवा, हरीश बड़जात्या, पंकज छाबड़ा दूधवा,दिलीप छाबड़ा सेसम।

चंद्रयान 3 की अद्भुत सफलता पर

विक्रम लैंडर, प्रज्ञान रोवर रचा नया...

भारत माँ के दिव्य पुत्र हो, शत शत तुम्हें प्रणाम,
एक नया इतिहास रच दिया, इसरो है 'श्री धाम '.
चंद्रयान जो तीन चला था, हरिकोटा से आगे,
पहुँच गया है चंद्रधरा पर ले राखी के धागे.
दक्षिण भाग में गहन अंधेरा,
यह प्रकाश लाएगा,
विक्रम लैंडर अपना प्यारा,
नव इतिहास रचाएगा.
प्रज्ञान रोवर स्पर्श करेगा,
चंद्र धरा को पाहिले,
विक्रम, प्रज्ञान मिलकर,
दिव्य रचेंगे कल ये.
अखिल विश्व में हर्ष बहुत,
आर्यावत मुस्काता है,
भारत की यह अनुपम गाथा,
कोटि कंठ गाता है.
कोटि बधाई, अभिनन्दन, चंद्रयान मण्डल को,
मोदी जी से साथ रहे जो,
हर भारतवासी को.
आएं सृजन, सफलता पथ पर,
नित प्रति बढ़ते जाएं,
अखिल विश्व में प्रेम, नेह,
मैत्री मुदिता को लाएं.

इंजिनियर अरुण कुमार जैन
अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद,
#7999469175

वैष्णव बने न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ (राष्ट्रीय) के अजमेर जिला अध्यक्ष

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ (राष्ट्रीय) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी एल शर्मा द्वारा राष्ट्रीय अखबार दिव्यांग जगत के अजमेर जिला पत्रकार मुकेश वैष्णव को न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ (राष्ट्रीय) का अजमेर जिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया । इस नियुक्ति पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौरव थत्ते , महासचिव अशोक चौधरी, विश्राम सैनी व संगठन सचिव रविन्द्र सोनी व प्रदेश अध्यक्ष हरीश आचार्य , प्रदेश सचिव राहुल कुमार वर्मा सहित सभी न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारियों ने वैष्णव के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुऐ हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

वाणी में चीनी जरूर डाले : गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में भक्तों ने मिलकर शांतिप्रभु की शांतिधारा करके स्वयं को धन्य किया । इस अनुपम दृश्य को देखने के लिए दूर - दूर से भक्तों का यहाँ मेला लगता है । आज की शान्तिधारा करने का सौभाग्य धर्मचन्द पहाड़ी वालों को प्राप्त हुआ । पूज्य गुरु माँ ने अपनी संयम की साधना को दृढ़तर बनाने के लिए अनशन व्रत धारण किया। श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए गुरु माँ ने कहा कि - आजकल नीम के वृक्ष तो घटते जा रहे हैं और परिवार में कड़वाहट बढ़ती जा रही है । वाणी में मिठास घटती जा रही है पर शरीर में मिठास (शुगर) बढ़ती जा रही है। जीवन को मधुर बनाने के लिए सर्वप्रथम अप्रिय , कटुक और कठोर वचनों का त्याग करके हित - मित - प्रिय वचन बोलना चाहिए । माताजी ने कहा कि - चाय में चीनी डालें या ना डालें, लेकिन वाणी में चीनी जरूर डालें।

मोक्ष कल्याणक मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों की ओर से बुधवार को जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक श्रद्धापूर्वक मनाया गया। दिगम्बर जैन छोटा धड़ा पंचायत के अध्यक्ष ओम प्रकाश बड़जात्या ने बताया कि इस अवसर पर प्रातः मंदिरों में कलशाभिषेक, शांतिधारा व अष्ट द्रव्यों से विशेष पूजा-अर्चना की गई। दिगंबर जैन पार्श्वनाथ मंदिर (गली वाले) में तथा पार्श्वनाथ जैन चैत्यालय में मोक्ष कल्याणक के अवसर पर निर्वाण मोदक भी चढ़ाया गया। भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक मोक्ष सप्तमी के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जैन समाज की कन्याओं ने निराहार रहकर उपवास किया। कन्याओं के लिए दोपहर में आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में विभिन्न धार्मिक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्त सागर जी महाराज का 47 वीं जन्म जयंती पर विनयांजलि सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। पूज्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्त सागर जी महाराज का 47 वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन श्री श्री 1008 संकट हरण पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर फागी वाला आमेर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित विनयांजलि सभा में सकल दिगंबर जैन समाज जयपुर एवं चातुर्मास व्यवस्था समिति एवं फागीवाला परिवार की और से पूज्य उपाध्याय श्री को वात्सल्य मूर्ति अलंकरण समर्पित किया गया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा ने बताया देशभर से पधारे विद्वान जिनमें फिरोजाबाद से अनूप चंद जैन, डा.एन.के.खींचा, जय सिंह कोठारी, डा.सनत कुमार जैन, पदमपुरा दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष सुधीर जैन ने अपनी विनयांजलि प्रस्तुत की ।श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु जी कासलीवाल ने उद्बोधन दिया। चंदनमल जैन अजमेर ने काव्य रूप में गुरुदेव का गुणगान किया।

ब्रह्मचारी राजकुमार जी गंगवाल बने क्षुल्लक श्री 105 उपहार सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

अरावली की पहाड़ियों के मध्य स्थित आमेर नगर, जो अपने इतिहास की गौरव गाथा को बता रहा है । यहीं पर स्थित संकट हरण पार्श्वनाथ जिनालय फागी वाला में प्रातः बेला में भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण कल्याणक महोत्सव में श्री जी का पंचामृत अभिषेक हुआ । पश्चात उपाध्याय भगवन्त के श्री मुख से शांति धारा उच्चरित हुई ,संसार के समस्त जीवों के मंगल की कामना की गई पश्चात मोक्ष कल्याणक महोत्सव के प्रतिस्वरूप निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया आज जब सुबह की खिलती धूप में आमेर जिनालय के मंदिर की सारी सीढियों पर एक-एक करके ऊपर चढ़ते गए ,सामने ही विराजमान थे सुदर्शन दिगम्बर देह में सुअवस्थित असीम ज्ञान के धारी उद्भट विद्वान श्री ऊर्जयंत सागर को देखकर राजकुमार गंगवाल ने श्रावक से क्षुल्लक बनने का उपाध्याय भगवत 108 श्री उर्जयन्त सागर जी महाराज से करबद्ध निवेदन किया। गुरुदेव ने संयम शब्द को प्रतिपादित करते हुए बताया मन को जीतने की दशा जब शुरू हो जाए उसे संयम कहते हैं। गुरुदेव उपदिष्ट रहे उन्होंने कहा भोगों से अरुचि हो जाना ही प्रतिमा धारण करना कहलाता है और गुरु महाराज श्री उर्जयन्त सागर जी ने दीक्षार्थी महानुभाव की अनुनय- विनय को स्वीकार करते हुए दीक्षा संस्कारों से विधि विधान के अनुसार राज कुमार गंगवाल को श्रावक से उत्कृष्ट श्रावक बना दिया। पूज्य गुरु जी ने उन्हें राजकुमार से श्री उपहार सागर बना दिया। संयम पथ में सहायक उपकरण पिच्छिका कमंडल और शास्त्र तीनों ही वस्तुएं एक-एक करके क्षुल्लक जी महाराज को जन समुदाय द्वारा प्रदान की गई। पिच्छिका उपकरण विनोद कुमार काला परिवार गुवाहाटी द्वारा प्रदान की गई। कमंडल रमेश, दिनेश, मनोज सेठी परिवार दिन हट्टा द्वारा प्रदान किया गया । जिनवाणी भेंट गंगवाल परिवार धनबाद द्वारा की गई। सैकड़ो श्रावकों की उपस्थिति में अत्यंत सजग और शांत भाव से यह सभी उपकरण क्षुल्लक जी महाराज ने स्वीकार कर लिए। पिछिका से, उठने बैठने से पहले अच्छी तरह से देखभाल कर परिमार्जित कर लेना यही आदान निक्षेपण समिति कहलाती है ,इससे जीव रक्षा भी होती है। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामंत्री दौलत फागी वाला ने बताया दीक्षा संस्कारों के बाद जिनालय में कल्याण मंदिर विधान का आयोजन हुआ। विधान के पुण्यार्जक सुखानंद काला परिवार दुर्गापुरा जयपुर थे।

चातुर्मास आमंत्रण पत्रिका का जयधोष के साथ विमोचन किया

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे चातुर्मास कर रहे जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में बिचला जैन मंदिर के शांतिनाथ भवन पर चातुर्मास मंगल आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने जयधोष के साथ आमंत्रण पत्रिका का विमोचन करके किया। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि विमोचन से पूर्व जैन समाज के लोगों द्वारा भगवान शांतिनाथ एवं सुपार्श्वनाथ के समक्ष श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना करके चातुर्मास की आमंत्रण पत्रिका चढ़ाई गई। इसके बाद मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में समाज द्वारा आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया।जौंला ने बताया कि विमोचन कार्यक्रम में जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा विष्णु बोहरा हेमचंद संधी नेमीचंद सिरस मोहनलाल चंवरिया शंभु कठमाणा प्रेमचंद सोगानी पदमचंद सांवलिया विमल सोगानी हितेश छाबड़ा अजीत काला महावीर प्रसाद छाबड़ा त्रिलोक रजवास दिनेश सोगानी यश संधी महेंद्र संधी कमलेश जैन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

कवि हरीश शर्मा, आकाश झुरिया व कुलदीप भार्गव होंगे जयपुर रत्न सम्मान से समानित

लक्ष्मणगढ़,सीकर. शाबाश इंडिया। शक्ति फिल्म फाउंडेशन की ओर से जयपुर में 2 सितंबर 2023 को आयोजित होने वाले जयपुर रत्न सम्मान समारोह 2023 में लक्ष्मणगढ़ के विख्यात कवि, बेटा पढ़ाओ- संस्कार सिखाओ अभियान के संयोजक, अध्यक्ष एवं युवा पत्रकार संघ के अध्यक्ष हरीश शर्मा, सह-संयोजक व युवा पत्रकार संघ के कोषाध्यक्ष आकाश झुरिया एवं अभियान के सक्रिय सदस्य व यूनियन डायरेक्टर ऑफ आरजे स्टेट बोर्ड अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं श्री श्याम सेवक परिवार संस्था के अध्यक्ष कुलदीप भार्गव को ''जयपुर रत्न सम्मान 2023'' से सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी शक्ति फिल्म फाउंडेशन की फाउंडर अंबालिका शास्त्री के द्वारा दी गई।

अतिशय क्षेत्र जग्गा की बावड़ी जयपुर मंदिर श्रीं 1008 पार्श्वनाथ भगवान के निर्वाणोत्सव पर लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र जग्गा की बावड़ी जयपुर के मंदिर श्रीं 1008 पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याण व मोक्ष सप्तमी के शुभ अवसर पर धूमधाम से निर्वाण लाडू चढाया गया । जिसमे उपस्थित सदस्य गण मानद् मंत्री सुनील कुमार बख्शी ,उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार ठोलिया ,संयोजक पद्म कुमार संघी कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार बज, सुदीप ठोलिया, महावीर कसेरा, साधना गोदीका, कुसुम कान्त डंडिया, अनीता टोग्यां, राजीव चोकडायत, अभिनंदन एडवोकेट व अन्य सदस्य गण मौजूद रहे।

शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर के मुखारबिंद से होने वाली कथा के लिए कार्यालय का शुभारंभ

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

विश्व शांति सेवा समिति के तत्वावधान में शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर जी महाराज के मुखारबिंद से 24 से 30 सितम्बर तक आरसी व्यास कॉलोनी स्थित मोदी ग्राउण्ड पर होने जा रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के लिए तैयारियां शुरू हो गई है। श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव में परम पूज्य बागेश्वर धाम सरकार पीठाधीश्वर पं. श्री धीरेन्द्रकृष्ण शास्त्रीजी महाराज की एक दिवसीय गरिमामय उपस्थिति रहेगी। कथा की व्यवस्थाओं के लिए आरसी व्यास कॉलोनी सेक्टर-9 स्थित रूद्राक्ष अपार्टमेंट में कार्यालय का शुभारंभ गुरूवार को हरणी महादेव रोड स्थित हनुमान टेकरी के महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में हुआ। उन्होंने इस आयोजन की सफलता के लिए आशीर्वाद एवं मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से धर्मनगरी भीलवाड़ा में एक बार फिर से शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर जी महाराज के मुखारबिंद से भागवत भक्ति की रसधारा प्रवाहित होगी। महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के आशीर्वाद से कथा आयोजन को सफल बनाने के लिए विश्व शांति समिति भीलवाड़ा की 21 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें संयोजक श्यामसुन्दर नौलखा, अध्यक्ष आशीष पोरवाल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट हेमेन्द्र शर्मा, महासचिव एडवोकेट राजेन्द्र कचोलिया, कोषाध्यक्ष राकेश दरक, सचिव धर्मराज खण्डेलवाल, सह सचिव बालमुकुंद सोनी, संयुक्त सचिव दिलीप काष्ट एवं 13 कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किए गए। संरक्षक मण्डल के सदस्य श्री सुशील डांगी भी मौजूद रहे। संयोजक नौलखा ने बताया कि मोदी ग्राउण्ड पर 24 से 30 सितम्बर तक दोपहर 1 से 5 बजे तक होने वाली संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव आयोजन को सफल बनाने एवं समाज के हर वर्ग की इसमें सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। कथा आयोजन को लेकर भीलवाड़ा में भक्तों में उत्साह का माहौल है। आयोजन को सफल बनाने के लिए शीघ्र ही विभिन्न समितियों का गठन करने के साथ अलग-अलग दायित्व सौंपे जाएंगे। गौरतलब है कि शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर के मुखारबिंद से भीलवाड़ा में गत वर्ष 5 से 11 अक्टूबर तक भी संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का सफल आयोजन हनुमान टेकरी परिसर में महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में हुआ था।

श्यामसुंदर नौलखा संयोजक, विश्व शांति सेवा समिति, भीलवाड़ा

आर्यिका गौरवमति माताजी की प्रथम स्मृति दिवस और अवतरण दिवस, श्रद्धालुओं ने स्मृति में किया शांति विधान पूजन

शुक्रवार को प्रातः 9 बजे से श्याम नगर जैन मंदिर में होगी विनयांजलि सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका रत्न सुपार्श्वमति माताजी की शिष्या गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी की प्रथम स्मृति दिवस और अवतरण दिवस शुक्रवार को श्याम नगर स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर वशिष्ठ मार्ग पर मनाया जाएगा। इस क्रम में शुक्रवार को प्रातः 9 बजे से विन्यांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्याम नगर दिगंबर जैन समाज, सुपार्श्व-गौरव भक्त मंडल परिवार सहित मानसरोवर, जोहरी बाजार, जनकपुरी, कीर्ति नगर, सी-स्कीम, झोटवाड़ा आदि कॉलोनियों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण सम्मिलित होगे और पूज्य माताजी भावों को शब्दों के पिरोकर विन्यांजलि अर्पित करेगे। गुरुभक्त भक्त परिवार सदस्य राजकुमार सेठी ने जानकारी दी कि गुरुवार को श्याम नगर के वशिष्ठ मार्ग स्थित मंदिर प्रांगण पर आर्यिका गौरवमति माताजी की प्रथम पुण्य समृति में शांति विधान पूजन किया गया। इस दौरान पूज्य गुरुमां सुपार्श्वमति माताजी और आर्यिका गौरवमति माताजी की गुरुभक्ति के साथ अष्ट द्रव्यों के साथ पूजन कर अर्घ चढ़ा जिनेन्द्र प्रभु प्रार्थना की गई।

अभिनेत्री सोनम पाटनी ने सालासर बालाजी के किए दर्शन

अपनी फिल्मों की सफलता की कामना की

सालासर. शाबाश इंडिया। जानी-मानी राजस्थानी व हिन्दी फिल्म अभिनेत्री लाडनूं जैन समाज की सदस्य की सोनम पाटनी ने सालासर बालाजी के दर्शन किए व अपनी आने वाली फिल्मों प्राइड आफ राजस्थान, पचड़ा व गैंगस्टर की सफलता की कामना की व आशीर्वाद लिया। सोनम पाटनी की सोनम पाटनी की इन दिनों तेजी से लोकप्रिय हो रहे ओटीटी प्लेटफॉर्म स्टेज एप्प पर तीन फिल्में मायरो, मुकलावो व बिंदोरी सफलता के साथ चल रही है। सोनम इससे पहले बाबुल थारी लाडली, आपां ने तो बेटी बचाणी है, ये कैसा है दहेज, देवी एक मां, भीगे होंठ तेरे, देख्या ठा पड़सी, आ तो जोर की होई, जरी वाला आसमान, विशेष आदि राजस्थानी व हिंदी फिल्मों में अभिनय कर चुकी है। सोनम पाटनी ने कहा कि वे जब भी अवसर मिलता है सालासर हनुमान जी के दर्शन करने आती रही है उन्होंने बताया कि बालाजी के दर्शन से शक्ति और उत्साह का संचार होता है और उन्होंने कहा कि सालासर बालाजी की पृष्ठभूमि पर एक व्यापक स्तर पर भव्य फिल्म का निर्माण होना चाहिए। सोनम पाटनी को गतवर्ष फिल्म बाबुल थारी लाडली में उनके अभिनय के लिए राजस्थान सीने अवाड्र्स द्वारा श्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया था तथा वह मिसेज राजस्थान भी रह चुकी है। सोनम पाटनी अपने परिवार के सदस्यों के साथ सालासर बालाजी के दर्शन करने आई थी।

महावीर इंटरनेशनल वापी शाखा का सम्पन्न हुआ शपथ ग्रहण समारोह

वापी ,गुजरात । महावीर इंटरनेशनल वापी (गुजरात) की नववठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम वापी की ज्ञानगंगा स्कूल में आयोजित किया गया। नव मनोनीत चेयरमेन वीर मुकेश जैन व सेक्रेटरी वीर अंकित जैन आदि पदाधिकारियों को शपथ रिजन-8 के वाइस प्रेसिडेंट वीर गणपत भंसाली ने दिलाई। इस अवसर पर बतौर अतिथि वापी नगर पालिका के उप प्रमुख अभय शाह, महावीर इंटरनेशनल सूरत मुख्य शाखा के उपाध्यक्ष वीर डॉ प्रो संजय जैन, बी जे एस की स्मार्ट गर्ल प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय प्रभारी डॉ हर्षिता जैन, बी जे एस गुजरात के सेक्रेटरी संजय चावत, अणुव्रत समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश सुराणा, बी जे एस सूरत की लेडीज विंग प्रभारी मोनिका मांडोत, महावीर इंटरनेशनल वापी के निवर्तमान चेयरमेन वीर रमेश कोठारी, उद्योगपति वीर राजेश दुग्गड़ व ज्ञान गंगा स्कूल के प्रबन्धक आदि मौजूद थे। वीर गणपत भंसाली ने अपने सम्बोधन में बताया कि महावीर इंटरनेशनल की देश भर में 340 के लगभग शाखाएं व 10 हजार से अधिक वीर विराएं सब को प्यार, सबकी सेवा व जिओ और जीने दो के आदर्श भावों के साथ गरीबों, जरूरतमन्दों यहां तक प्राणी मात्र की सेवा करते हैं। दिल्ली में एम आई द्वारा आधा दर्जन हॉस्पिटल संचालित है। उन्होंने महावीर इंटरनेशनल द्वारा देश भर के विभिन्न केंद्रों द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की विगत प्रस्तुत करते हुए बताया कि उज्जैन शाखा द्वारा महज 10 रु में भोजन सेवा उपलब्ध कराई गई है। बरोड़ा शाखा द्वारा प्रति वर्ष 3 करोड़ रु की छात्रवृत्ति प्रदान कर विद्यार्थीगनों का भविष्य सँवारा जा रहा है। चेन्नई शाखा द्वारा हजारों नेत्र चिकित्सा केम्प आयोजित किए गए हैं। बालाघाट शाखा उस विस्तार में हजारों आदिवासियों की सेवा में संस्था सलंग्न हैं। कार्यक्रम का संचालन संजय भंडारी ने किया।

महावीर इन्टरनेशनल सुरत महिला वीरा अभिलाषा द्वारा सिविल अस्पताल मे नवजात बच्चों के लिए 50 बेबी किट वितरित

सूरत. शाबाश इंडिया। महावीर इन्टरनेशनल की सुरत महिला वीरा अभिलाषा शाखा ने सिविल अस्पताल मे नवजात बच्चे के लिए के लिए 50 बेबी किट वितरण किए वो अपने शिशु को साफ सुथरा रख सके एंव डॉ संन्धा ने बच्चो कि सुरक्षा कि लिए नियमित स्तनपान करावे एंव स्वच्छता का विशेष जानकारी प्रदान कि। संस्था की नियोजित प्रार्थना से सबका अभिवादन किया गया। चेयरपर्सन सरीता कूकडा ने बेड पे लेटी महिलाओ को बताया कि ये किट बांटने मे संस्था का उद्देश्य केवल यही है कि आप अपने शिशु को बाह्य रोगो से बचा सके ,उनके वस्त्र और चीजो को डिटोल से साफ करे और साफ सुथरा रखे डॉ संन्धा जी छासडिया नर्सिंग हैड इनचार्ज इकबा कडिवाला,साजिद कडिवाला,साधना देवरिया , तरूना प्रजापति सहयोग से हम इस काम को सुचारु रूप से कर पाये ।इस अवसर पर शिखा चपलोत, प्रेमा लोसर, राजश्री बांठिया कविता दक ,सुरेखा कोठारी,बरखा कोठारी ,गीता गांधी, चंदा बम्बकि ,तन्वी सुर्या, ममता विसलोत ने सबका आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया।

ताजगंज जैन मंदिर में मनाया भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण कल्याणक महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर पंचायती ताजगंज में सकल दिगंबर जैन समाज ताजगंज के तत्वावधान में जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर श्री 1008 भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण कल्याणक एवं महा मस्तकाभिषेक महोत्सव का आयोजन बड़े ही भक्ति भाव के साथ किया गया। महोत्सव का शुभारंभ सौभाग्यशाली भक्तों ने मूलनायक श्री भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा का 108 स्वर्ण कलशों से अभिषेक एव वृहद शांतिधारा के साथ किया। भक्तों ने विधानाचार्य जिनेंद्र जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष अर्घ्य अर्पित कर श्री पार्श्वनाथ विधान की मांगलिक क्रियाएं संपन्न कीं। इसके बाद सौभाग्यशाली 23 परिवारों एवं भक्तों द्वारा निर्वाण कांड का पाठ कर 23 किलो का निर्वाण लाडू श्रीजी के चरणों में अर्पित किया। इस दौरान समस्त ताजगंज जैन समाज के लोगों का उत्साह देते ही बन रहा थो सायः 7:00 बजे संगीतमय 108 दीपकों से श्रीजी की मंगल आरती हुई,साथ ही एक शाम प्रभु पारस के नाम भजन संध्या का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मंदिर के अध्यक्ष संजय जैन, महामंत्री संजय बाबू जैन,विजय कुमार जैन,योगेश जैन श्यामसुंदर जैन,मधुर जैन,राजेश जैन कारपेट वाले,रेशी जैन,पूनम जैन, अनुराधा जैन,मीरा जैन,रितु जैन,रुवी जैन,समस्त सकल जैन समाज ताजगंज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

250 व्यक्तिओं ने एक साथ प्रोजेक्टर पर चंद्रयान- 3 का लाइव प्रसारण देखा

जयपुर. शाबाश इंडिया

घी वालों के रास्ता व्यापार संघ के अध्यक्ष नीरज लूहाड़िया ने बताया कि 23 अगस्त, 2023 भारतीय समय अनुसार शाम 5.30 बजे से पूरी दुनिया की निगाहें टीवी पर टिकी थी। भारत का चंद्रयान- 3 ने इतिहास रचा शाम 6.04 बजे चंद्रयान की सेफ सॉफ्ट लैंडिंग हुई। घी वालों के रास्ता के लगभग 250 व्यक्तिओं ने एक साथ प्रोजेक्टर पर इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना करी की चंद्र यान की सॉफ्ट लैंडिंग अच्छे से हो जाए इसके लिए व्यापार संघ द्वारा सभी व्यापारियों को प्रोजेक्टर टी वी पर लाइव प्रसारण घी वालों का रास्ता में दुकान नंबर 15/16 के बाहर कल शाम 5.30 से प्रोजेक्टर लगा कर दिखाया गया। सभी व्यापारी भाई से अनुरोध किया की ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुँच कर हमारे वैज्ञानिकों व लोकप्रिय प्रधानमंत्री जी का होसला बढ़ाये भारत देश के वासियों की आवाज पूरे जहान में गुजनी चाहिए। नीरज लुहाड़िया अध्यक्ष, कुंदन लाल पठानी महामंत्री ने कहा कि पार्षद कुसुम यादव, पूर्व पार्षद अजय यादव, कुंदन लाल पठानी, भवानी सिंह, रमेश भल्ला, भूषण मंगलानी, राजकुमार भार्गव, राम, संजय जैन व बाजार के समस्त व्यापारी इन सभी लोगो ने उपस्थित होकर कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिये ।

ब्यूटी ऑफ नेचरः सौंदर्य-2023 ग्रुप फोटो प्रदर्शनी शुरू

उदयपुर. शाबाश इंडिया। गुजरात ललित कला अकादमी द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी 'ब्यूटी ऑफ नेचर' सौंदर्य - 2023 का उद्घाटन गुरुवार को अंबामाता स्थित टखमण आर्ट सेंटर पर मुख्य अतिथि डीवाईएसपी चेतना भाटी और वरिष्ठ पत्रकार राकेश शर्मा 'राजदीप' ने किया। समन्वयक संदीप पालीवाल ने बताया कि इस प्रदर्शनी में जानवी बा जड़ेजा और महिपाल सिंह जड़ेजा के बीसियों रंगीन छायाचित्र गुजरात की धरा के नैसर्गिक सौंदर्य की सजीव कथा का चित्रण करते प्रतीत हो रहे हैं। आमजन इस प्रदर्शनी को 26 अगस्त तक सुबह 10 से शाम 6 बजे तक निशुल्क देख सकते हैं। मौके पर वरिष्ठ कलाकार एलएल वर्मा, स्वतंत्र छायाकार राकेश सोनी और नवोदित कलाकार रोहन ठाकर, केयर टेकर मांगीलाल सहित गुजरात से आए कई कलाप्रेमी उपस्थित थे। **रिपोर्ट/फोटो : दिनेश शर्मा, अर्जेंट स्टूडियो**

सामूहिक गोठ में सम्मानित हुई प्रतिभाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीराम नवयुवक सेठी कॉलोनी के तत्वावधान में सामूहिक गोठ का आयोजन सेठी कॉलोनी के श्रीराम मंदिर में आयोजित की गई। इस मौके पर कॉलोनी की श्रेष्ठ रही 10 प्रतिभाओं का सम्मान किया। महामंत्री अभिषेक शर्मा ने बताया कि सुबह ध्वजारोहण मंडल के अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद ठाकुर जी का रुद्राभिषेक मंत्रोच्चारण के बीच किया गया। इस मौके पर भोले बाबा की आकर्षक झांकी सजाई, जो सभी के बीच आकर्षण का केन्द्र रही। इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद रामचरण बोहरा, भाजपा के पूर्व विधायक अशोक परनामी ने नीट, आईटी, सीए, आईआईएम और अन्य परीक्षाओं में सफल व श्रेष्ठ रहे विद्यार्थियों सम्मान किया। इस मौके पर विपुल गुप्ता, आनंद मिश्रा, संजय शर्मा, वेद प्रकाश बड़ाय, बद्री दुसाद, राजेन्द्र निमीवाल, अशोक गुप्ता, नरेश गोयल आदि मौजूद रहे। अंत में सभी ने पंगत में बैठकर दाल, बाटी चूरमा का आनंद लिया।

अनोखी किटी पार्टी में जी 20 देशो के विषयों पर हुआ चिंतन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जी -20 समूह देशों द्वारा जिन वैश्विक मुद्दों पर चिंतन किया जा रहा है, उन्ही विषयों पर आज महिलाओं की अनोखी किटी पार्टी में गंभीर चर्चा हुई। आकाशवाणी जयपुर द्वारा जी 20 के अंतर्गत किए जा रहे कार्यक्रमों के अंतर्गत आज सुनाएं जवाहर कला केंद्र के रंगायन में दो नाटकों का सफल मंचन किया गया। आकाशवाणी जयपुर की प्रस्तुति ''अनोखी किटी पार्टी'' में महिलाओं ने पर्यावरण स्वास्थ्य महिला शिक्षा और सशक्तिकरण, आर्थिक समानता पेयजल और खानपान जैसे विषयों पर वैचारिक आदान-प्रदान किया। नाटक के प्रस्तुतीकरण में लोक रंग का भी समावेश होने से प्रस्तुति रोचक बन पडा। इस नाटक का निर्देशन युवा रंगकर्मी अनिल मारवाड़ी ने किया और इसके लेखक वरिष्ठ रंग कर्मी ईश्वर दत्त माथुर थे।

झुमरीतिलैया में तीर्थंकर पार्श्वनाथ का निर्वाण उत्सव मनाया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

जैन धर्मावलंबियों ने मनाया 23वें तीर्थंकर देवाधिदेव भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक 23 अगस्त बुधवार को जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का निर्वाण (मोक्ष)दिवस अत्यन्त हर्षोल्लास एवम भक्ति भाव के साथ मनाया गया । इस अवसर पर झुमरीतिलैया के मन्दिरों में प्रातः काल में कलाशाभिषेक के साथ एक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई ।जिसमें सौधर्म इंद्र की भूमिका सोरभ-करिश्मा छाबडा को राजा की तरह सागर का जल अपने माथे पर लेकर चल रहा था। साथ ही 25 परिवार द्वारा निर्वाण लड्डु लेकर शोभा यात्रा में शामिल हुवे। शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुवे बड़ा जैन मंदिर पहुँचे जहाँ पर विश्व शान्ति हेतु सुरेश-नरेंद झांझरी, ओर सुरेन्द-सरिता काला के परिवार को शान्ति धारा का सौभाग्य मिला। उसके बाद देश के 25 तीर्थो के पारसनाथ की प्रतिमा का रचना पर पच्चीस 25 निर्वाण लड्डु सभी टोंको की रचना पर श्रद्धा पूर्वक निर्वाण अर्घ समर्पित कर भावपूर्वक पूजन अर्चन के साथ कोडरमा के मूलनायक प्रतिमा के चरणों मे जैन भाग चंद-विनीत कुमार पाटनी कोलकत्ता के परिवार को 123 किलो की निर्वाण लड्डु प्रभु चरणों मे समर्पित किया गया। इसके बाद पूजन विधान सुबोध-आशा गंगवाल ने कराया। सभी कार्यक्रम परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी मुनिराज ससंघ के सानिध्य मे हुआ। ।

मुनी श्री ने अपने प्रवचन में पार्श्वनाथ भगवान की जीवन गाथा तथा उनके उपसर्गों की कथा सुनाई। कुछ लोग इस पृथ्वी पर ऐसे आते हैं जो हजारों वर्षों तक अजर-अमर हो जाते है । भगवान पारसनाथ ऐसे थे जिन्होंने समता की सभी सीमाओं को पार कर दिया था एक-भव नहीं दस-दस भव तक जिन्होंने उपसर्गों को सहन किया ।